

मतिरा क्रेटर

चर्चा में क्यों?

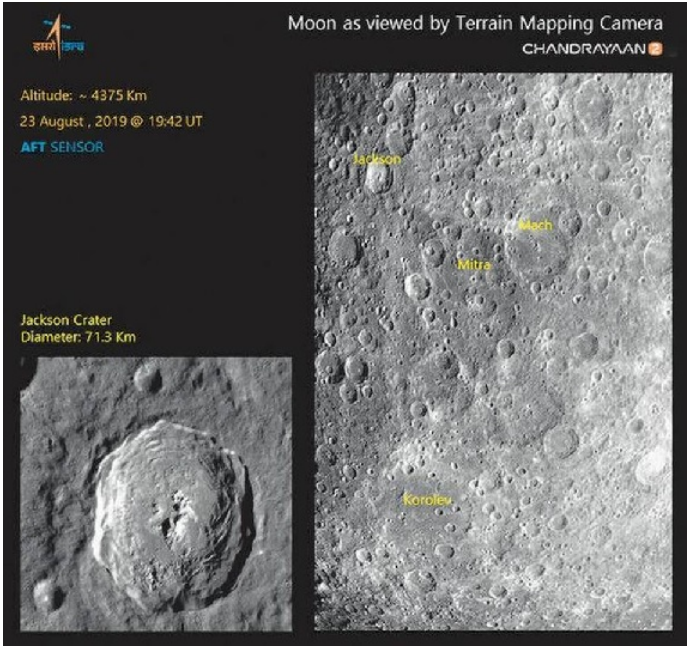
चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर (Chandrayaan-2's Orbiter) या मदर स्पेसक्राफ्ट (Mother Spacecraft) ने चंद्रमा पर उपस्थिति एक गड्ढे 'मतिरा क्रेटर' (Mitra Crater) को लक्षित किया जिसका 20वीं शताब्दी में नामकरण किया गया था।

मतिरा क्रेटर (Mitra Crater) क्या है?

- मतिरा चंद्रमा पर उपस्थिति एक गड्ढा है जिसका नामकरण वर्ष 1970 के दशक में प्रसिद्ध भारतीय भौतिकशास्त्री और रेडियो विज्ञानी **प्रोफेसर शशिरि कुमार मतिरा** के नाम पर **मतिरा क्रेटर** के रूप में किया गया था।
- 'मतिरा क्रेटर' को यह नाम प्रोफेसर मतिरा की मृत्यु के सात साल बाद वर्ष 1970 में ग्रहों की प्रणाली का नामकरण करने वाले इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (International Astronomical Union- IAU) के प्लैनेटरी सिस्टम नामकरण के कार्य समूह (Working Group for Planetary System Nomenclature- WGPSN) द्वारा दिया गया था।
- उल्लेखनीय है कि चंद्रमा पर भारतीय वैज्ञानिकों के नाम पर और भी क्रेटर हैं जो निम्नलिखित हैं:
 - भाभा क्रेटर
 - साराभाई क्रेटर
 - सी.वी. रमन क्रेटर
 - जे.सी. बोस क्रेटर
 - आर्यभट्ट क्रेटर
- मतिरा क्रेटर' का व्यास लगभग 92 किलोमीटर है लेकिन इसकी गहराई का पता अभी तक नहीं लगाया जा सका है।

क्रेटर (Crater)

- खगोलीय पिंडों की सतह पर अंतरिक्ष से किसी उलकापिंड के गरिने, ज्वालामुखी फटने, भूगर्भ में वसिफोट या फरि अन्य किसी वसिफोटक ढंग से बनने वाले लगभग गोल आकार के विशाल गड्ढे को क्रेटर कहते हैं।
- क्रेटर कई प्रकार के होते हैं उदाहरण के लिये प्रहार क्रेटर, ज्वालामुखीय क्रेटर, धँसाव क्रेटर, वसिफोट क्रेटर, बलि क्रेटर और मार क्रेटर आदि।



- चंद्रमा के उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र में चंद्रयान-2 के टरेन मैपिंग कैमरे में कैद किया गया 'मित्रा' एक प्रहार या इम्पैक्ट क्रेटर है।
- 25 केल्विन/K (-248 डिग्री सेल्सियस) पर उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र को सौरमंडल के सबसे ठंडे स्थानों में से एक माना जाता है।

चंद्र क्रेटरों का नामकरण

Lunar nomenclature

- 17वीं शताब्दी में चंद्र क्रेटरों के नामकरण की पहली कोशिश के तहत **के.बी. शगिरेवा** और **जी.ए. बुरबा** द्वारा अपनी पुस्तक **द लूनर नोमिनेचर: द रिवर्स साइड ऑफ द मून** (The Lunar Nomenclature: The Reverse Side of the Moon) वर्ष 1961-1973 के दौरान लिखी गई।
- नामकरण में प्रमुख हस्तियों जैसे- वैज्ञानिकों, दार्शनिकों और यहाँ तक कि रॉयल्टी के सदस्यों के नाम का इस्तेमाल किया गया।
- अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ द्वारा वर्ष 1973 में एक संकल्प के दौरान गड़ढा और गढ़दे जैसी संरचनाओं को खगोलविदों या प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के मरणोपरांत उनके नाम दिये गए हैं।
- अन्य चंद्र वशिषताओं में पहाड़ों को पृथ्वी के पहाड़ों के भौगोलिक नामों के अनुरूप नाम दिया गया है, जबकि गहरी अंधेरी सतहों को मनुष्यों की मानसिक स्थितियों के अनुरूप नाम दिया गया है।

स्रोत: द हट्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mitra-crater>